अध्याय – 1

उत्पत्ति

यह कहानी
पुरानी पुस्तक द्वारा कहा गया था। हजारों वर्ष पूर्व प्रत्येक कहा गया शब्द सत्य हैं। इनमें से कुछ पर विश्वास करना कठिन होगा

लेकिन सत्य अक्सर अद्भुत एवं काल्पनिक होता हैं।

आदि में प्रथम मानव की रचना से पहले, पृथ्वी से पहले, सूर्य से पहले, तारो से पहले, इन सभी से पहले, प्रकाश और समय की रचना से पहले वहाँ परमेश्वर थे

बिना किसी शुरूआत के उनका केवल अस्तित्व था लेकिन वह अकेले नही थे वह त्रिएक के स्वरूप थें जैसे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा एक साथ थे।

ठनज ळवक ूदजमक जव ींतम ंपे सपमिं भ्म ूदजमक तिपमदके ंदक दमपहीइवतेण

षैतान के बारे में और जानकारी पाने के लिए देखिए :
यशायाह 14:12–14, 45:18, येजकेल 28:13–19, मत्ती 25:41, लूका 10:18, प्रकाशितवाक्य 12:4, 20:2

विकास की प्रक्रिया का सिद्धान्त जो कि मनुश्यों द्वारा बनाया गया हैं एक गलत धारणा या विचार हैं जो मानव विकास के तुच्छ जीवन से लेकर करोड़ो वर्शो तक के संरचना की षिक्षा देती है। यह इन मानवों जैसा नही था। सोचिये परमेष्वर ने कोई विकास की पद्धति नही अपनाया था वह सभी चीजों को एक समान साधारण बोलचाल की भाशा में सृजन किया जैसा कि उन चीजो का अस्तित्व हैं। छः दिन में परमेष्वर ने जानवर और पेड़ पौधों की रचना की और बसाया।

उत्पत्ति 1:2–3 ;गणना 4004 ई पू0द्ध

छइे दिन, एक दुश्ट देख रहा था कि परमेष्वर ने जमीन के ध ुल से एक नयी रचना की
परमेष्वर ने उस मिट्टी से बने पुतले में अपने जीवन का स्वांस डाला उसे मनुश्य बना दिया और फिर वह आत्मा रहित इंसान बना, वह परमेष्वर का ही स्वरूप था। अतः वह जानवरो से उच्च इंसान हैं
परमेष्वर ने नवसृजित मनुश्य को बुलाया तथा उसका नाम आदम रखा
परमेष्वर ने अपने सभी रचना को देखा और कहाँ यह बहुत अच्छा है।

उत्पत्ति 1:31, 2:7

उत्पत्ति 1:28, 2:2, 16—22, 25

उत्पत्ति 3:1–6
प्रकाषितवाक्य 20:2

उनकी आँखे खुल गयी और वे अपने नंगेपन से शर्मिंदा थे।
वह तुम्हे भी मार देगा। देखो उसने मेरे साथ भी क्या किया।
ओह... हमने क्या किया
हमने परमेष्वर के आज्ञा का उल्लंघन किया हैं वे षीध्र आते होगें और निष्चित रूप से हमे अपने नंगे पन को ढ़कना हैं।
आदम आदम तुम कहां हो?
मैं आपका आवाज सुना लेकिन मैं अपने नंगे पन के कारण डर गया।
किसने कहां कि तुम नंगे हो क्या तुमने मेरी आज्ञा का उल्लंधन किया जिस वृक्ष के फल को खाने के लिए मैंने मना किया था क्या तुमने खा लिया?
आपने जिस औरत को मुझे दिया था उसी ने मुझे ऐसा करने को कहां

उत्पत्ति 3:6–12

सी इ इइइइइ उसका आवाज सर्प जैसा हैं।
सांप ने मुझे धोखा दिया। और उसने कहा कि मैं इस फल को खाने से नही मरूंगी और आप जैसी हो जाऊँगी, लेकिन मैं आप जैसी नहीं हुई, ये बहुत बुरा हुआ।
इस प्रकार परमेष्वर ने उस सांप को श्रापित किया और कहां...
क्योकि तुमने ऐसा किया मैं तुम्हे जमीन पर रेंगने वाला जैसा बनाऊँगा।
तू पेट के बल चलेंगा तथा मिट्‌टी चाटेगा। मैं तुम्हारे वंष और इस स्त्री के वंष में बैर उत्पन्न करूँगा। तुम उनकी एड़ी में डसोगें और वे तुम्हारे सिर को कुचलेगें।
ये भविश्य के युद्ध की घोशणा है। वह समय आयेंगा जब स्त्री से उत्पन्न वंष षैतान का सर्वनाष करेंगा। वही इंसान मनुश्य जाति के गलतियों को सुधारते हुए वापस परमेष्वर की ओर ले जायेंगा तथा उन्हे पाप से क्षमा और मृत्यु से मुक्त करायेंगा।
परमेष्वर एक ही क्षण में लूसिफर और उनके साथियों को खत्म कर सकते थे लेकिन परमेष्वर ने उन्हे मानव जाति की परीक्षा के लिये जीवित रहने की आज्ञा दी। क्या मानव परमेष्वर के साथ होंगे? या फिर षैतान एवं उनके विद्रोहियों के साथ होंगे?विद्रोहियों के साथ होंगे?

उत्पत्ति 3:17
यहेजकेल 18:4

उत्पत्ति 4:1–4
रोमियों 3:23य इब्रानियो 11:4

नही क्यों !
परमेष्वर ने कैन के भेंट को
अस्वीकार कर दिया क्योकि
यह भेंट रक्त रहित था।
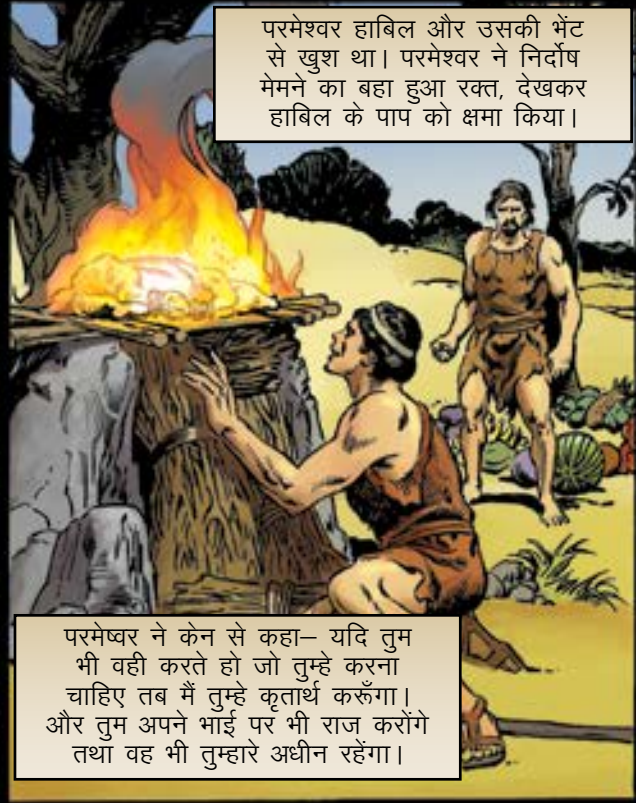
परमेश्वर हाबिल और उसकी भेंट
से खुश था। परमेश्वर ने निर्दोष
मेमने का बहा हुआ रक्त, देखकर
हाबिल के पाप को क्षमा किया।
परमेष्वर ने केन से कहा– यदि तुम
भी वही करते हो जो तुम्हे करना
चाहिए तब मैं तुम्हे कृतार्थ करूँगा।
और तुम अपने भाई पर भी राज करोंगे
तथा वह भी तुम्हारे अधीन रहेंगा।

आप क्या सोचते हैं क्या
इस मेमने का मुल्य मेरे फल
और सब्जी से ज्यादा हैं? मेरे
लिए अच्छा क्या हैं?
मेरे भाई अभी रक्त
दान करने के लिए
काफी समय हैं।

यह
सब कुछ मेरे पास हैं।
मुझसे मत बात करों।
आह्...
धड़ाम
हाविल मर गया कैन ने अपने
इस हत्या के पाप को छुपाने की
कोषिष की।

लेकिन कैन अपने इस बुरे कर्म को परमेष्वर से नही छिपा सका। परमेष्वर सब कुछ देखता और जानता हैं।

कैन तुम्हारा भाई हाबिल कहां हैं?

तुम्हारे भाई का रक्त अभी तक जमीन पर हैं उसका रक्त तुम्हारे बुरे कर्म के बारे में चीख—चीख कर कह रहा हैं।

तुम्हारे भाई का रक्त अभी तक जमीन पर हैं उसका रक्त तुम्हारे बुरे कर्म के बारे में चीख—चीख कर कह रहा हैं।

परमेष्वर सब कुछ जानता हैं वह हर समय सभी को देखता हैं उससे कुछ भी छुपाया नही जा सकता। और जो कुछ भी कैन ने हाबिल के साथ किया उसे परमेष्वर ने देखा। परमेष्वर ने कैन को श्राप दिया। और कैन डरकर अपनी पत्नी के साथ रेगिस्तान में चला गया। उसके इस दोश के कारण उसे बड़े दुख और कश्ट का सामना करना पड़ा।

प्रथम मानव की रचना अनुवांषिकता के विषेश गुणो के कारण हुआ था और अब उसी कारण से जानवरों के नजदीकी संबंधों का विकास अभी तक नही हो पाया था तथा बाद में यह एक गंभीर समस्या बन गयीं। तब परमेष्वर ने यह आज्ञा दिया कि आपसी या नजदीकी रिष्तेदारों को आपस में षादी नही करनी चाहिए।

परमेष्वर के उस बेटे का क्या हुआ? क्या वह बेटा जन्म लेगा? आदम और हव्वा का दूसरा बेटा सेत कहा जाता हैं और बहुत से बेटे और बेटियों का जन्म हव्वा के द्वारा हुआ।

परमेश्वर ने मुझे दूसरा बच्चा दिया है, उसकी जगह पर जिसको कैन ने मार दिया था।

उत्पत्ति 4:9—16, 5:4
प्रेरितों के काम 17:24—26

उत्पत्ति 6:5–7, रोमियो 5:12

गणना 2500 ईषा पुर्व
लेकिन एक आदमी था, नूह, जो हमें ाा न्याय में विष्वास करता और सही कार्य करता था। परमेष्वर ने उसके ऊपर दया दिखाने का निर्णय किया, और उसे और उसके परिवार को नही मारे, जबकि उन्होने दूसरे लोगो को मारा।
नूह, मैं पूरे पृथ्वी पर बड़ा जल प्रलय करने जा रहा हूँ। वह सभी मरेंगे जो जीवित है। इसलिए तुम अपने आप को, अपने परिवार को और जानवरों को बचाने के लिए एक बड़ा नाव बनाओगे।
अपने साथ नाव पर तुम पृथ्वी के प्रत्येक जानवर के एक–एक जोड़े को ले लो। तुम सभी प्रकार के पशुओं में से सात–सात जोड़े ले लेना जिन्हे खाने की अनुमति है। मैं तुम्हें बताऊँगा कि नाव कैसे बनेगा, और बाढ़ के लिए तुम्हे क्या–क्या करने की आवश्यकता है।
क्या नूह ही वह बच्चा हो सकता है, जो षैतान के कार्यो को खत्म करेगा? क्या वह परमेष्वर का आज्ञा मानेगा, या फिर, वह भी, असफल होगा?
परमे वर ने नूह को बताया कि पृथ्वी के प्रत्येक प्राण ाी जो जीवन का ष्वांस लेते है, तथा भोजन जो वह खायेंगे उसके लिए कितने बड़े जहाज की आवष्यकता हैं।
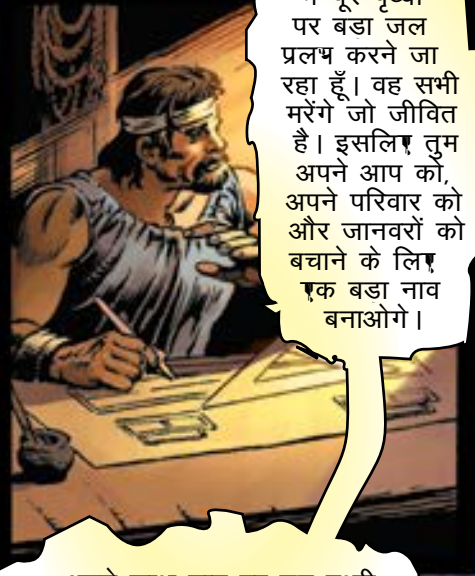
उत्पत्ति 6:8–9

उत्पत्ति 7:7—9, पतरस 2:5

लेकिन सातवे दिन वर्शा ुरू हो गई, और पृथ्वी की गहराई में पानी जमा होकर सतह पर आई।

इस तरह से मैं कभी नही देखा हुँ, तुम क्या सोचते हो कि जहाज में बैठे पागल आदमी सही है?क्या परमेष्वर उनके पाप के लिए मार देगें?

पागल मत बनों। परमेष्वर प्रेम है। कैसे सिर्फ एक आदमी सही हो सकता है और क्या हमारे पूरे धार्मिक नेता गलत है?

मुझे नूह की बाते सुननी चाहिए थी। कितना मूर्ख था मैं।

परमेष्वर मेरे बच्चे को बचाइए।

इसके पहले वहाँ कभी पानी नही बरसा था। मौसम सुन्दर और पानी के लिए कुहरा पृथ्वी से ऊपर की ओर उठकर जमीन पर आया। कोई भी ऐसा वर्षा होते न देखा था न सुना था। और नूह के पास भी इस बात पर विष्वास न करने का कोई कारण नही था कि वर्शा होने जा रहा है, उसने भी सोचा परमेष्वर इसी तरह कह दिये होगें। बहुत सारे लोगो ने सोचा कि नूह पागल हो गया है कि जो यह सोच रहा है कि आकाष से पानी बरसेगा, लेकिन जो कुछ भी परमेष्वर ने नूह से कहा उस पर नूह को विष्वास था।

उत्पत्ति 7:9—11

गणना 2348 ईषा पुर्व

उस समय लोगो ने यह महसूस किया कि नूह जो कुछ भी कह रहा था वह सत्य था, लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी।

चालीस दिनो तक लगातार दिन और रात तक वर्शा तब तक होती रही जब तक कि पूरे पृथ्वी के प्रत्येक पहाड़ पानी से ढ़क नही गया। प्रत्येक प्राणी जिनमें जीवन का ष्वांस था उन सभी की मृत्यु हो गई, केवल वही लोग जीवित बचे थे जो नूह के साथ जहाज में थे। एक वर्ष से भी ज्यादा वे लोग उस जहाज में रहे होंगे।

अन्त में, नूह ने एक कबूतर को छोड़ा और वह कबूतर अपने मुँह में एक टहनी को लिए वापस आ गया, इसका मतलब है कि पृथ्वी पर कही पहले से वृक्ष लगा है। बाद में नूह ने फिर कबूतर को छोड़ा और उस समय वह वापस नही आया, जिसका मतलब कि कबूतर रहने के लिए कोई अच्छा स्थान पा लिया है।

उत्पत्ति 7:12, 19—23, 8:9—11

उत्पत्ति 8:4—20, 9:1—29

उत्पत्ति 9:21, 27:1, इतिहास 4:40, भजन संहिता 78:51, 105:23, 27, 106:22

गणना 2247 ईषा पूर्व

नूह का पुत्र हाम का बेटा कुस था और फिर कुस के बेटे का नाम निमरोद था। निमरोद एक शिकारी के रूप में बड़ा हुआ और पूरे पृथ्वी पर जाना जाता था। उसने परमेष्वर की आज्ञा को मानने से इन्कार कर दिया और बेबिलोन में उसने अपने गलत धर्म की षरूआत की।

बेबीलोन के लोग इधर–उधर बिखरना नही चाहते थे और न ही पृथ्वी को फिर से बसाना चाहते थे। जैसा कि परमेष्वर ने उन्हे आदेष दिया था इस प्रकार वे साथ–साथ मिलकर प्रार्थना का केन्द्र जैसा एक महान एवं ऊँचा मीनार बनाये।

लेकिन वे जिनकी प्रार्थना करते थे वे उनके ईष्वर नही थे। शैतान ने उनको बताया कि वे अपने परमेष्वर की रचना लकड़ी, पत्थर और धातु से करे।

परमे वर उन लोगो से नाराज हो गये थे क्योकि वे पृथ्वी पर फैलने से इन्कार कर दिये थे इस कारण परमेष्वर लोगो से अलग–अलग भाशाओ में बोले।

कार्य करने वाले आदमी एक दूसरे की भा ााओ को नही समझ सकते थे, तो एक दूसरे की बातो को न समझने के कारण लगातार कार्य नही कर सकते थे अतः वे अलग–अलग हो गये।

प्रत्येक भा ाा के लोग अलग–अलग समूह दिशा में हो गये कुछ लोग बहुत दूर–दूर स्थानो पर गये कुछ लोग द्व ीप से दूर जहाज की यात्रा की, कुछ लोग उत्तर दिशा की ओर गये जहाँ ठण्डी थी, और कुछ लोग रेगिस्तान के नीचे गये जहाँ गर्मी थी। और इस प्रकार परमेष्वर का आदेष पूरी पृथ्वी पर मनुश्यो को फैलाना पूर्ण हुआ।

पृथ्वी मनु यो से भर गयी और फिर पाप भी बढ़ने लगा। लोग मूर्ति के आगे सिर झुकाने लगे और जीवित परमेष्वर को भूल गये।